रडार से बचकर अचूक निशाना लगा सकती है ब्रह्मोस

लखनऊ में बनने जा रही सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस दुश्मन के रडार से बचकर अचूक निशाना लगा सकती है। एयरफोर्स के रिटायर अधिकारी सुरेन्द्र नाथ यादव ने बताया कि ब्रह्मोस के सामने दूसरी मिसाइलें नहीं टिकती हैं।

ताकत
जल, थल और नभ में लक्ष्य भेदने की क्षमता

- मारक क्षमता: 290-400 किलोमीटर तक
- रफ्तार: 2.8 मैक (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) यानी लगभग 3,700-4,000 किलोमीटर/घंटा
- वजन: 1260 किलोग्राम
- आयुध क्षमता: 200-300 किलोग्राम तक विस्फोटक

जीपीएस/ग्लोनास से लैस

इस मिसाइल को जीपीएस या ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम से जोड़ा जा सकता है। इसकी फायर कंट्रोल सिस्टम, लॉन्चर और जहाज के नेविगेशन और सेंसर के साथ इंटर-कनेक्टिविटी भी संभव है। मिसाइल इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम और होमिंग रडार सीकर से लैस है।

खतरा भांपते ही रास्ता बदल सकती है

ब्रह्मोस मिसाइल को जमीन, समुद्र या हवा से लॉन्च किया जा सकता है। यह 'फायर एंड फॉरगेट' सिद्धांत पर काम करती है। यह खतरा भांपते ही अपने रास्ते को बदल लेती है। एयरफोर्स के रिटायर कैप्टन एबी सिंह के अनुसार यह मेनुवरेबल तकनीक वाली है। अगर लक्ष्य अपनी जगह (पोजीशन) बदलता है तो भी ब्रह्मोस उसका पीछा नहीं छोड़ती।

सबसे बड़ा हथियार

ब्रह्मोस को नौसेना का सबसे बड़ा हथियार बताया जाता है। आठ ब्रह्मोस का एक समूह आधुनिक एंटी-मिसाइल सुरक्षा वाले लक्ष्यों के समूह को भेदकर पूरा नष्ट कर सकता है।

नौसेना के साथ थल सेना में भी शामिल

यह मिसाइल जमीन, समुद्र और हवा में स्थित लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। इनमें जमीन पर स्थित टांस्पोर्टर इरेक्टर लॉन्चर (टीईएल), जहाज (वर्टिकल और इनक्लाइन्ड लॉन्चर), पनडुब्बी और लड़ाकू विमान शामिल हैं। ब्रह्मोस को एंटी-शिप और लैंड-अटैक भूमिकाओं के लिए दो वैरिएंट के साथ डिजाइन किया गया है। इसे भारतीय नौसेना के साथ थल सेना में भी शामिल किया गया है।

सुखोई में पांच मिसाइल तक लोड हो सकती

इस मिसाइल का वजन कम होने से सुखोई विमान में एक जगह पांच मिसाइल लोड हो सकेंगी। थलसेना के सिस्टम से एक साथ तीन की जगह छह मिसाइल लोड होंगी। नौसेना के युद्धपोत की क्षमता भी बढ़ेगी।

ऐसे मिला नाम : ब्रह्मोस नाम भारतीय ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदियों के नामों का संयोजन है। इसे भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस के सहयोग से बनाया गया है।

रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर मिसाइल यूनिट का शुभारंभ, सीएम बोले-पाक से पूछ लेना चाहिए इसकी ताकत क्या है

ऑपरेशन सिंदूर में दिखा ब्रह्मोस का पराक्रम: योगी

उद्घाटन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई देते हुए कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा और नहीं देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है।

उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी और याद रखना आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए जरूरी है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं लक्ष्य को प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के सामने जो लक्ष्य रखा, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल उसी अभियान का हिस्सा है। वीडीएल झांसी में आ रहा है। उसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है। विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ा है वह उसे प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय बजट में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की थी। उत्तर प्रदेश में इसके लिए 6 नोड तय किए गए। इनमें लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए चुना गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 2020 में लखनऊ में डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया तब लखनऊ में यूनिट लगाने की घोषणा की थी।

लखनऊ में ब्रह्मोस को जैसे ही 200 एकड़ भूमि दी गई तो पीटीसी भी यहां पर आया है। पीटीसी ने न केवल ब्रह्मोस के लिए, बल्कि एयरोस्पेस से जुड़े अनेक कार्यों के लिए एक एंकर यूनिट के रूप में उत्पादन कार्य प्रारंभ किया है।

डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर रविवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह व अन्य। इस मौके पर चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए।

लखनऊ में रविवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के दौरान मिसाइल की प्रतिकृति के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

डिफेंस कंपनियों से जुड़ रहे स्थानीय युवा

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो हमारा लक्ष्य था कि 6 डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में हमें 50,000 करोड़ रुपये के निवेश कराने हैं, 100000 युवाओं को रोजगार भी देना है। अब तक हमारे साथ डिफेंस एक्सपो के साथ ही 57 एमओयू हो चुके हैं जिनके माध्यम से 30 हजार करोड़ के निवेश सिर्फ डिफेंस सेक्टर से ही होने जा रहे हैं। 60 हजार नौकरी के लक्ष्य को लेकर बढ़ रहे हैं।

यूपी में व्यक्ति और पूंजी दोनों ही सुरक्षित

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कंपनियों को यहां आने में समस्या होती थी, क्योंकि पॉलिसी नहीं थी, सुरक्षा का अभाव था। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं तो पूंजी कहां सुरक्षित रहने वाली है। आज व्यक्ति भी सुरक्षित है, पूंजी भी सुरक्षित है और देश की सुरक्षा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी हम मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज एक रिच इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे पास है।

भूमि की जरूरत पड़ी तो सरकार मदद करेगी

सीएम ने कहा कि डीआरडीओ को या फिर ब्रह्मोस जैसे रक्षा उत्पादन से जुड़े अन्य कार्यक्रमों के लिए भूमि की जरूरत पड़ी तो यूपी सरकार मदद करेगी। दौरा डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद ब्रजलाल, विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह समेत डीआरडीओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, पीटीसी के अधिकारी रहे।

प्रदर्शनी में दिखा डिफेंस कॉरिडोर का महत्व

इस मौके पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। इसमें बुलेट प्रूफ जैकेट से लेकर ब्रह्मोस के उपयोग में आने वाले पुर्जों को दर्शाया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी में रखे गए उत्पादों को देखा। बुलेट प्रूफ जैकेट को खास सेना के लिए डिजाइन किया गया है। यह जैकेट हाई कैलिबर वाली गोलियों से बचाती है। ऐसी सामग्रियों प्रयोग की गई है जो न सिर्फ गोलियों रोकने में सक्षम है, बल्कि जैकेट को आरामदायक भी बनाते हैं। साथ ही पीटीसी आयुध फैक्ट्री की ओर से निर्मित उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया। सूत्रों ने बताया कि ब्रम्होस में 200 से अधिक मिश्रधातु, एल्युमिनियम, टाइटेनियम, 23 तरह की रबड़, 50 से 60 तरह के लुब्रिकेंट सहित एक हजार से ज्यादा छोटे-बड़े पार्ट इस्तेमाल होते हैं। इन्हें देश की एमएसएमई इंडस्ट्रीज बनाकर सप्लाई कर रही हैं।

भारत की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रदर्शन: राजनाथ सिंह

ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रदर्शन है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिसमें आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया गया। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने भारत के नागरिक क्षेत्रों, मंदिरों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों को निशाना बनाने का प्रयास किया।

40 महीने में योगी ने पूरा कर दिखाया प्रोजेक्ट

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यूनिट का वर्चुअल उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई के अवसर पर यूनिट के उद्घाटन को रक्षामंत्री ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह दिन 1998 में पोखरण में हुए परमाणु परीक्षण की याद दिलाता है, जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने सामरिक ताकत का प्रदर्शन किया था। रक्षामंत्री ने बताया कि परियोजना का शिलान्यास स्वयं किया था और मुख्यमंत्री योगी ने मात्र 40 महीनों में पूरा कर दिखाया है। मेरा शहर लखनऊ भारत के डिफेंस इनफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में योगदान दे, यह सपना पूरा हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया स्पष्ट संदेश

राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि यह नया भारत है, जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति, सैन्य इच्छा शक्ति और संकल्प शक्ति का भी प्रदर्शन है।

कानपुर एक बार फिर बनेगा इंडस्ट्रियल हब

रक्षामंत्री ने उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर को भारत के रक्षा उत्पादन का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह कॉरिडोर लखनऊ, कानपुर, झांसी, चित्रकूट, आगरा और अलीगढ़ से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि ये सभी नोड्स भविष्य में विकास के नए केंद्र बनकर उभरेंगे। कानपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह क्षेत्र कभी "मैनचेस्टर ऑफ द ईस्ट" के नाम से जाना जाता था, लेकिन आजादी के बाद यह पिछड़ गया। डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से कानपुर और अन्य नोड्स को फिर से विकास की ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा।

साइन किए जा चुके 34 हजार करोड़ के एमओयू

रक्षामंत्री ने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर में विमान निर्माण, यूएवी, ड्रोन्स, गोला-बारूद, कंपोजिट सामग्री, छोटे हथियार, टेक्सटाइल और पैराशूट जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश किए गए हैं। अब तक कॉरिडोर में 34 हजार करोड़ रुपये के लगभग 180 एमओयू साइन किए जा चुके हैं और 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। रक्षामंत्री ने कहा कि आज के दौर में सिविल और रक्षा क्षेत्रों में तकनीकी क्रांति तेजी से बदलाव ला रही है। ब्रह्मोस भारत और रूस की उच्च रक्षा प्रौद्योगिकी का संगम है।

दिशा पाटनी की बहन बोलीं, पाक ने देखी ताकत

बरेली। भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव के बाद सीजफायर हो चुका है, जिसे लेकर लोग तरह-तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। इस पर अभिनेत्री दिशा पाटनी की बहन व सेना से रिटायर्ड मेजर खुशबू पाटनी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो में खुशबू पाटनी ने कहा है कि पाकिस्तान ने ब्रह्मोस की ताकत देख ली है। सीजफायर में किसी तीसरे देश का योगदान नहीं है बल्कि यह भारत की ताकत और मनोवैज्ञानिक दबाव से हुआ है।